ओम् शान्ति 30-4-21 मधुबन

प्राणेश्वर अव्यक्तमूर्त मात-पिता बापदादा के अति स्नेही, सदा अपनी शुभ श्रेष्ठ वृत्तियों से सम्पन्न बन विश्व ग्लोब पर स्थित हो अपने फरिश्ते स्वरूप द्वारा सर्व आत्माओं को मन्सा शक्तियों का दान देने वाले, योगी सो प्रयोगी आत्मायें निमित्त टीचर्स बहिनें तथा सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - आप सभी भारत देश तथा विदेश के वर्तमान समाचारों को सुनते हुए विशेष अपने-अपने स्थानों पर योग तपस्या कर रहे होंगे। वर्तमान समय हमारी मीठी ईशू दादी तथा ब्राह्मण परिवार के अनेक भाई बहिनें हॉस्पिटल्स में इलाज ले रहे हैं। अपने ईश्वरीय परिवार की भी कुछ आत्मायें इस कोरोना की बीमारी में अचानक अपना पुराना शरीर छोड़ बापदादा की गोद में जा रही हैं। चारों तरफ असुरक्षा तथा भय का वातावरण है।

ऐसे समय पर मीठे बापदादा का हम सभी बच्चों प्रति यही विशेष इशारा रहता कि बच्चे, **ऐसी बीमारियों के समय आपकी योग शक्ति और खुशी के वायब्रेशन दवाई का काम करेंगे तथा आपकी हिम्मत और निश्चय की शक्ति से परमात्म सहयोग दुआओं का काम करेगा। यही विधि है इस विकट परिस्थिति में पास होने की।**

तो आज आप सभी बाबा के बच्चों प्रति विशेष यह याद पत्र लिख रही हूँ, कि सभी सेवाकेन्द्र के समर्पित भाई बहिनें तथा प्रवृत्ति में रहने वाले बाबा के सभी बच्चे अभी अपनी दैनिक दिनचर्या से समय निकाल, **ऐसी योग तपस्या का कार्यक्रम बनायें, जिसमें कम से कम हर एक प्रतिदिन 8 घण्टा योग अभ्यास करे। सभी सेवा स्थान लाइट-माइट हाउस बनें। सभी अपने डबल लाइट फरिश्ते स्वरूप द्वारा प्रकृति सहित सर्व आत्माओं को सूक्ष्म मन्सा सकाश देने की सेवा करे तथा अपनी वाइसलेस स्थिति की सेटिंग द्वारा स्वयं को भी सुरक्षित रखे, साथ-साथ पूरे विश्व को भी मदद करे।**

इन्हीं शुभ भावनाओं के साथ,

ईश्वरीय सेवा में,

B.K. Ratan Mohini

(बी.के. रतनमोहिनी)